पैगम्बरों के किस्सों में हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम का किस्सा काफी अजीब व गरीब है। इसे पढ़िए तो ने कामों में मुहब्बत पैदा होती है, गुनाहो से नफरत होती है, तबीयत को सुकून व इत्मीनान हासिल होता है। इसी लिए तो अल्लाह तआला ने इसे तमाम किस्सों में बेहतरीन किस्सा कहा जाता है।

हजरत सूसुफ अलैहिस्सलाम के बाप का नाम हतरत याकूब अलैहिस्सलाम था, जो हजरत अस्हाक अलैहिस्सलाम के बेटे थे और जिनके दादा हजरत इब्राहिम अजैहिस्सलाम थे। गोया हजरत यूसुफ अलैहिस्सलाम चौथाी नस्ल में पैगम्बर थे।